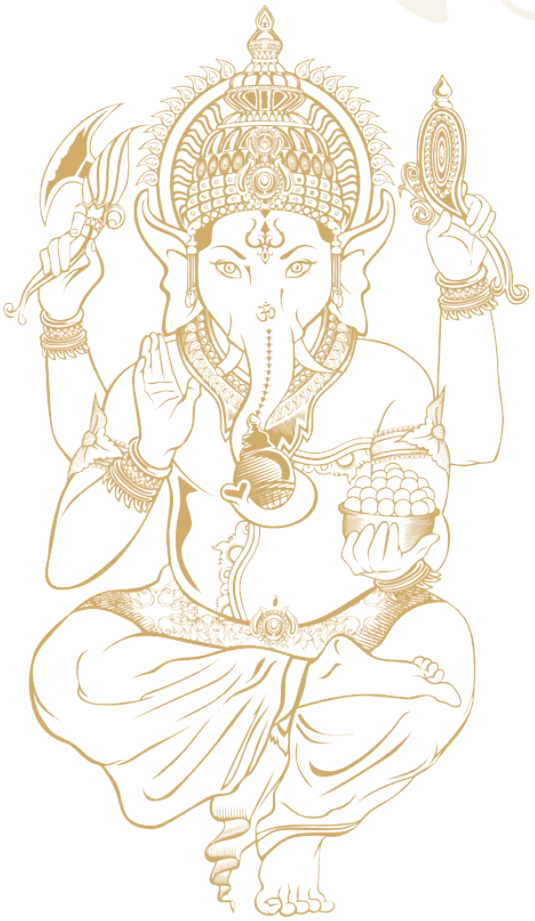

B

G

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121458108

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1998	जन्म तिथि	30/10/1999
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:40:00	जन्म समय	21:50:00 घंटे
घटी 25:32:29	जन्म समय(घटी)	38:07:41 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Ajmer
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:00	सूर्योदय	06:39:07
18:39:32	सूर्यास्त	17:50:48
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 2मा 21दि	13:58:28	सिंह	लग्न	मिथु	15:46:15	गुरु 1वर्ष 1मा 7दि
राहु	09:46:42	मीन	सूर्य	तुला	12:56:32	बुध
14/06/2008	19:02:03	मक	चंद्र	कर्क	02:24:47	08/12/2019
14/06/2026	21:23:12	मीन	मंगल	धनु	16:05:52	07/12/2036
राहु 25/02/2011	26:56:35	मीन	बुध	वृश्चि	06:03:09	बुध 05/05/2022
गुरु 20/07/2013	17:37:33	कुंभ	गुरु व	मेष	05:08:51	केतु 02/05/2023
शनि 26/05/2016	23:20:42	मक	शुक्र	सिंह	26:27:05	शुक्र 02/03/2026
बुध 14/12/2018	27:00:12	मीन	शनि व	मेष	20:24:17	सूर्य 07/01/2027
केतु 01/01/2020	16:34:44	सिंह	राहु व	कर्क	14:41:36	चन्द्र 07/06/2028
शुक्र 01/01/2023	16:34:44	कुंभ	केतु व	मक	14:41:36	मंगल 04/06/2029
सूर्य 26/11/2023	17:44:46	मक	हर्ष	मक	19:02:08	राहु 23/12/2031
चन्द्र 27/05/2025	07:52:39	मक	नेप	मक	07:48:52	गुरु 30/03/2034
मंगल 14/06/2026	14:11:00	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:14:50	शनि 07/12/2036

लग्न-चलित

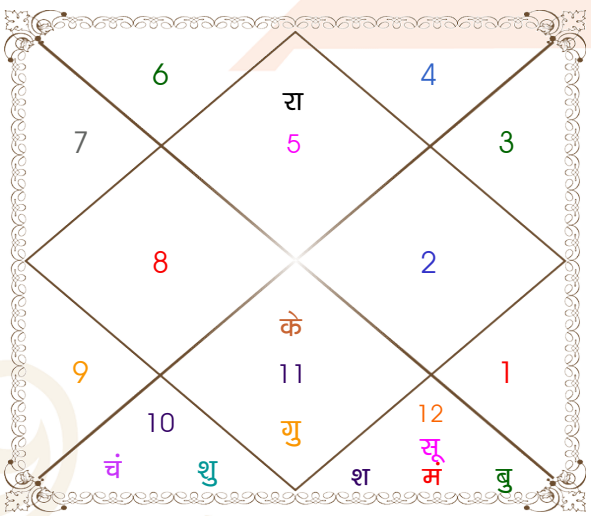

लग्न-चलित

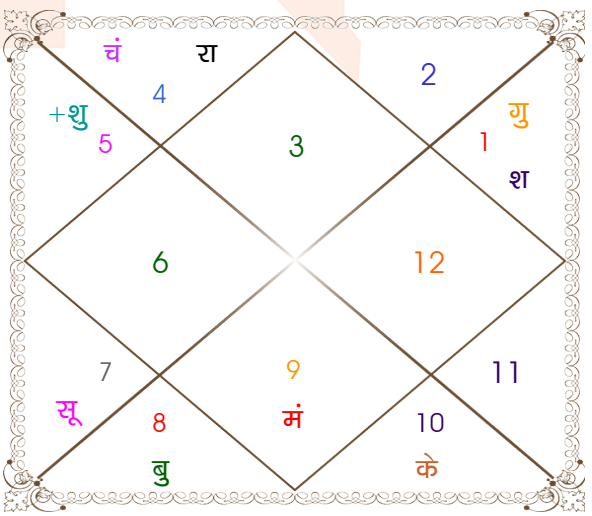

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

B का वर्ग मार्जार है तथा G का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार B और G का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

G मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि G कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि G कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

B तथा G में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।